Roll. No. : .....

GEJY-01

First Semester Examination, 2023 (Dec.)

[भारतीय वास्तुशास्त्र का परिचय व स्वरूप]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

2 × 26 = 52

1. भारतीय वास्तुशास्त्र की उपयोगिता एवं महत्व की विषय में विस्तार पूर्वक लिखिए।

2. वास्तुशास्त्र के प्रवर्तकों का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

3. वास्तुशास्त्र की परम्परा में विश्वकर्मा पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।

4. वास्तुशास्त्र के उद्भव एवं विकास का प्रतिपादन कीजिये।

5. पंचमहाभूतों का परिचय देते हुए अग्नितत्व के विषय में विस्तार पूर्वक लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

4 × 12 = 48

1. वास्तुशास्त्र का परिचय देते हुए उसकी उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

2. पंच महाभूतों की वास्तु शास्त्र में क्या भूमिका है।

3. वायुतत्व के विषय में लिखिए।

4. भवननिर्माण हेतु भूखण्ड का चयन कैसे किया जाता है?

5. गृहारम्भ एवं गृहप्रवेश पर टिप्पणी लिखिये।

6. कूर्मपृष्ठ भूमि के लक्षण व फल का उल्लेख कीजिए।

7. वर्तमान समय में वास्तुशास्त्र की प्रासंगिकता व उपयोगिता को अपने शब्दों में लिखिए।

8. भूखण्ड का विस्तार कौन–कौन सी दिशाओं में अशुभ होता है।

****